赖潇天◎著

河北美术出版社

◎ 赖潇天 著

版权所有 盗版必究

图书在版编目(CIP)数据

沧海拾贝 / 赖潇天著. — 石家庄:河北美术出版 社,2017.12

ISBN 978-7-5310-8820-2

I. ①沧··· II. ①赖··· III. ①诗集-中国-当代 IV. ① I227

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2017) 第 181670 号

选题策划 田 忠 苏征凯

责任编辑 韩方敏

装帧设计 脱琳琳 徐春爽

责任校对 李 宏

绘画插图 赖潇天

内文插图 来自网络

出版发行:河北美术出版社

地 址:河北省石家庄市和平西路新文里8号(邮编:050071)

电 话: 0311-85915039

网 址: http://www.hebms.com

制 版:石家庄市翰墨文化艺术设计有限公司

印 刷:河北纪元数字印刷有限公司

开 本: 787mm×1092mm 1/16

印 张: 15.625

印 数: 1~1000

版 次 2017年12月第1版

印 次 2017年12月第1次印刷

定 价: 22.50元









河北美术出版社

淘宝商城

官方微博

微信公众号

服务电话: 0311-87060677

满大小支: 产翻部和 何可和 2016.11.26. 证象成

何云伟题字

潇潇人生踏沧海 天道酬勤抒文怀

——为赖潇天诗文集《沧海拾贝》序 杨 超("80后"新锐诗人、知名财经评论人)

诗,是一种集中反映社会生活的文学样式。诗,应成为人类一种面向未来的生活态度和行为方式。但随着市场经济的迅速发展,在匆忙的现代生活里,诗词仿佛离我们越来越遥远。记得一位学者曾在课堂上被其学生抢白: "与其花时间读无用的唐诗宋词,不如背英语上计算机,更适应社会需要。"可见,中国博大深远的传统文化确难被功利地实用。然,正如老子所言"无用即大用",其对青少年文化的积累,性情的熏陶,人格的培养,乃至整个民族精神的塑造,都异常重要。一个民族如果没有了自己的文化,这个民族是名存实亡的。故,文化是一个民族的血脉,是支撑一个民族发展壮大的根基,是根植于每一位中国人心中的精神基因。

一个人若如王阳明所说,"抛却自家无尽藏,沿门持钵效贫儿", 无疑是可怜的。众所周知,一个民族不可能在一片荒漠上建立自己的新 文化,一个人也不能脱离自身成长的文化土壤来完善自己。赖潇天从小 受到家人的影响与熏陶,对于中国传统文化情有独钟。通过这本《沧海 拾贝》中七百余首诗、三十余篇短文可以看出,赖潇天并非一味固守传

统本位或一味盲目追风,而是在守望认同传统中自觉转化重建传统。从 其诗文中,不难看出其有赓续人文情怀的理想,有洞察世事人生的抱负; 不难看出其读千古美文,继承国学精华的文化底蕴;也不难看出赖潇天 是一位理性、质朴、勤奋的少年,是一位有追求、有抱负的少年,是一 位高素质、高涵养的少年。

野柏丛生长于野,固有其坚忍不拔。这本《沧海拾贝》不是庙堂之作,不是象牙之塔,而是来于心灵,扎根生活,其诗文字里行间,无不渗透着情怀气息,生命芳香。在浮躁的世界和快餐化的生活中,现代人更应让心灵与诗歌对话,放慢生活脚步,让心灵在诗意的意境中自由栖息。这就是赖潇天和他这本《沧海拾贝》所带给我们的思考。

潇潇人生踏沧海, 天道酬勤抒文怀。 诗心恬淡浮华去, 文思隽永苦寒来。

二〇一六年初冬 写于知行斋

目 录



| 诗 | 歌 |
|-----|---|
| . , | |

| 惊 雷/3 | 骏 马/7 | 金 秋/10 |
|--------|--------|---------|
| 花 /3 | 江 南/7 | 海 面/11 |
| 迎春花 /3 | 枫 林 /7 | 秋 夕/11 |
| 梅 花/3 | 观 雪/7 | 天 桥/11 |
| 时 间/4 | 渔 船/8 | 天 山/11 |
| 大 海/4 | 断 崖/8 | 时 间 /12 |
| 树 林 /4 | 出 征/8 | 大 海/12 |
| 落 叶/4 | 狂 风/8 | 大 雁/12 |
| 赤 壁/5 | 烟 雨/9 | 雄 鹰 /12 |
| 雪 /5 | 赤 壁/9 | 凤 凰/13 |
| 折 柳/5 | 瀑 布/9 | 海 鸥/13 |
| 松 树/6 | 长 城/9 | 黄 河/13 |
| 古 藤/6 | 渡 江/10 | 骏 马/13 |
| 秋 画/6 | 月 影/10 | 时 间 /14 |
| 秋 果/6 | 烟 火/10 | 春 /14 |

| | 夏 /14 | 月 色/21 | 瀑 布/26 |
|---------|---------|---------|---------|
| | 秋 /14 | 河 流 /21 | 春 蝉/27 |
| 沧 | 冬/15 | 沙 滩/21 | 黄 河/27 |
| 海 | 四 季/15 | 海 鸥 /21 | 时 间 /27 |
| <u></u> | 大 海/15 | 秋 风/22 | 春 /27 |
| | 黄 河/15 | 枫 叶/22 | 泉 水/29 |
| | 长 江/16 | 竹 林/22 | 大 海/29 |
| | 鸟 /16 | 春 色/23 | 黄 河/29 |
| | 大 雁/16 | 池 塘/23 | 长 江/30 |
| | 雄 鹰 /16 | 傍 晚/23 | 鸟 /30 |
| | 凤 凰/17 | 树 林 /23 | 关 羽/30 |
| | 天 空/17 | 落 叶/24 | 露 水/30 |
| | 雾 /17 | 折 柳/24 | 春 雨/31 |
| | 太 阳/17 | 古 藤/24 | 暴 雨/31 |
| | 烈 日/18 | 向日葵 /24 | 闪 电/31 |
| | 月 光/18 | 雪 /25 | 父 爱/31 |
| | 银 河/18 | 雪 花/25 | 母 爱/32 |
| | 露 水/18 | 秋 画/25 | 亲 情/32 |
| | 秋 雨/20 | 沙 漠 /25 | 梅 花/32 |
| | 樱 花 /20 | 船 /26 | 月季花 /32 |
| | 桃 花/20 | 海 盗/26 | 樱 花/33 |
| | 荷塘/20 | 烟 火/26 | 桃 花/33 |

| /33 | 黄 | 河 /40 | 昙花现 /46 |
|-----|---|---|----------|
| /34 | 长 | 江 /40 | 相见欢 /46 |
| /34 | 鸟/ | 41 | 浅路曲 /48 |
| /34 | 大 | 雁 /41 | 雨夜眠 /48 |
| /34 | 雄 | 鹰 /41 | 秋朗月 /48 |
| /35 | 天 | 空 /42 | 倾山幕 /48 |
| /35 | 月 | 光 /42 | 胭脂泪 /49 |
| /35 | 宇 | 宙 /42 | 秋萧叶 /49 |
| /36 | 露 | 水 /43 | 踏春行 /49 |
| /36 | 春 | 雨 /43 | 望泰山 /49 |
| /36 | 闪 | 电 /43 | 一夜雨 /50 |
| /36 | 秋 | 雨 /43 | 荷塘月色 /50 |
| /38 | 花/ | 44 | 满江红 /50 |
| /38 | 小 | 草 /44 | 风沙袭/50 |
| /38 | 父 | 爱 /44 | 秋萧叶 /51 |
| /38 | 亲 | 情 /44 | 醉花阴 /51 |
| /39 | 暖春 | 水 /45 | 望明月 /51 |
| /39 | 浪花 | - 5 | 月朦胧 /52 |
| /39 | 醉梦 | * 乡 /45 | 亭中舞 /52 |
| /39 | 破红 | 工天 /45 | 天花漫 /52 |
| /40 | 月盘 | t镜 /46 | 从军行 /52 |
| | 雨花 | 之浓 /46 | 海之蓝 /55 |
| | /34 /34 /34 /34 /34 /35 /35 /35 /35 /36 /36 /36 /38 /38 /38 /38 /38 /38 /39 /39 /39 /39 | /34 长 /34 /34 /34 /34 /34 /34 /34 /35 /35 /35 /35 /35 /36 /36 /36 /36 /36 /36 /38 /38 /38 /38 /38 /38 /38 /38 /39 /39 /39 /39 /39 /39 /39 /40 /40 月 | |

| | 春 风/55 | 月夜雨 /61 | 踏春行 /69 |
|-------|----------|----------|----------|
| | 鸟鸣涧 /55 | 山中画 /61 | 望泰山 /69 |
| 沧 | 清 莲/55 | 秋朗月 /63 | 梦江南 /69 |
| 海 | 离愁伤逝 /56 | 沙如雪 /63 | 一剪梅 /69 |
| | 断 桥/56 | 出征曲 /63 | 梦李白 /70 |
| | 残 雪/56 | 赏枫亭 /63 | 鸟鸣涧 /70 |
| | 漫步山林 /56 | 星辰寄语 /64 | 山 林/70 |
| | 琉璃月 /57 | 春江晚景 /64 | 风沙袭 /70 |
| | 仙翁居 /57 | 梦回仙游 /64 | 望明月 /71 |
| | 静幽花 /58 | 枯叶之蝶 /64 | 月朦胧 /71 |
| | 卷秋恋 /58 | 暖春水 /65 | 天花漫 /71 |
| | 醉乡间 /58 | 川入海 /65 | 送友人 /71 |
| | 烟云纱 /58 | 破虹天 /65 | 荷之恋 /72 |
| | 弦中月 /59 | 月盘镜 /65 | 海之蓝 /72 |
| | 流梦曲 /59 | 化蝶飞 /67 | 沐春风 /72 |
| | 醉赤壁 /59 | 雨花浓 /67 | 月明星稀 /73 |
| | 彩虹桥 /59 | 昙花现 /67 | 将欲行 /73 |
| | 梦三国 /60 | 浅路行 /67 | 黛玉葬花 /73 |
| | 乘风归 /60 | 秋朗月 /68 | 离愁伤势 /73 |
| | 静幽林 /60 | 倾山幕 /68 | 断 桥/75 |
| | 江南调 /60 | 胭脂泪 /68 | 残 雪/75 |
| | | | |

仙人掌 /61 秋萧叶 /68 漫步山林 /75



| 琉璃月 /75 | 秋草歌 /82 | |
|----------|-----------------|---------|
| 仙居翁 /76 | 大漠孤烟 /82 | |
| 静幽花 /76 | 秋日私语 /83 | 菊花泪 /88 |
| 眷秋恋 /76 | 山河泪 /83 | 水中仙 /88 |
| 醉乡间 /76 | 断桥残雪 /83 | 九州词 /88 |
| 烟云纱 /77 | 如烟似梦 /84 | 阳关调 /89 |
| 流梦曲 /77 | 星辰寄语 /84 | 万物生/89 |
| 采花吟 /77 | 虫声夜鸣 /84 | 千年缘 /89 |
| 云遮月 /78 | 月下独酌 /84 | 梨花香 /90 |
| 山河壮 /78 | 夏日绝句 /85 | 若相惜 /90 |
| 梦三国 /78 | 乱舞春秋 /85 | 石上藤 /90 |
| 乘风归 /78 | 春江晚景 /85 | 芦洲月 /90 |
| 静幽林 /79 | 梦回仙游 /85 | 稻花香 /91 |
| 浪淘沙 /79 | 枯叶之蝶 /86 | 燕歌行 /91 |
| 江南调 /79 | 梦回唐朝 /86 | 梦红楼 /91 |
| 归园居/79 | 塞外之音 /86 | 江南雨 /91 |
| 月夜雨 /80 | 千帆越江 /86 | 花恋蝶 /92 |
| 秋朗月 /80 | 陌上花开 /87 | 醉清风 /92 |
| 沙如雪 /80 | 逍遥游 /87 | 雕花笼 /92 |
| 出征曲 /80 | 梨花雨 /87 | 梦听雪 /92 |
| 漫步江边 /82 | 轩辕台 /87 | 花落随 /93 |
| 花无痕 /82 | 乡剑吟 /88 | 暖春水 /93 |
| | | |

◇ 目录

| 沧 |
|---|
| 海 |
| 拾 |
| 贝 |

| 浪花颂 /93 |
|--|
| 醉云乡 /93 |
| 川入海 /94 |
| 破红天 /94 |
| 月盘镜 /94 |
| 化蝶飞 /94 |
| 雨花浓 /96 |
| 昙花现 /96 |
| 相见欢 /96 |
| 望归路/96 |
| 浅路曲 /97 |
| 秋朗月/97 |
| 倾山暮 /97 |
| 胭脂泪 /97 |
| |
| 秋萧叶 /98 |
| 秋萧叶 /98 行路难 /98 |
| |
| 行路难 /98 |
| 行路难 /98 望泰山 /98 |
| 行路难 /98 望泰山 /98 梦江南 /99 |
| 行路难 /98 望泰山 /98 梦江南 /99 长恨歌 /99 |

| 山 | 林 /100 |
|----|----------|
| 风沙 | 袭 /100 |
| 秋萧 | Tot /100 |
| 醉花 | .阴 /101 |
| 望明 | 月 /101 |
| 月朦 | 胧 /101 |
| 亭中 | ·舞 /101 |
| 从军 | 行/102 |
| 荷花 | .恋 /102 |
| 桃花 | 冰/102 |
| 海之 | 蓝 /103 |
| 天之 | 大/103 |
| 枫叶 | 红/103 |
| 月明 | 星稀 /103 |
| 将欲 | :行/104 |
| 青 | 莲 /104 |
| 黛玉 | .葬花 /104 |
| 断 | 桥 /104 |
| 残 | 雪 /106 |
| 漫步 | 山林 /106 |
| 赏枫 | 、亭 /106 |
| 琉璃 | 月 /106 |

仙翁居 /107 静幽花 /107 卷秋恋 /107 醉乡间 /108 烟云沙 /108 弦中月 /108 流梦曲 /108 醉赤壁 /109 采花吟 /109 镜中月 /109 云遮月 /109 梦三国 /110 边塞曲 /110 浪淘沙 /110 江南调 /110 沙如雪 /111 赏枫亭 /111



| 花无痕 /111 | 菊花泪 /117 | 后世镜 /124 |
|-----------|----------|----------|
| 秋花草 /112 | 水中仙 /117 | 月牙湾 /124 |
| 如烟似梦 /112 | 广寒月 /119 | 斜阳落 /124 |
| 月下独酌 /112 | 九州词 /119 | 水云间 /124 |
| 夏日绝句 /112 | 南飞雁 /119 | 寂静雪 /125 |
| 乱舞春秋 /113 | 阳关调 /119 | 烟花漫 /125 |
| 春江晚景 /113 | 万物生 /120 | 珠帘雨 /125 |
| 梦回仙游 /113 | 千年缘 /120 | 杏花村 /125 |
| 枯叶之蝶 /113 | 梨花香 /120 | 心神怡 /127 |
| 梦回唐朝 /114 | 南山忆 /120 | 忆时光 /127 |
| 塞外之音 /114 | 稻花香 /121 | 颂长江 /128 |
| 千帆越江 /114 | 燕歌行 /121 | 天花漫 /128 |
| 陌上花开 /114 | 梦红楼 /121 | 吟长城 /128 |
| 沁园春 /115 | 江南雨 /121 | 咏黄河 /128 |
| 逍遥游 /115 | 花恋蝶 /122 | 赏桃花 /129 |
| 梨花雨 /115 | 醉清风 /122 | 秋之忆 /129 |
| 轩辕台 /115 | 雕花笼 /122 | 暖春水 /129 |
| 桃花行 /116 | 琉璃月 /122 | 浪花颂 /129 |
| 绿蓑衣 /116 | 梦听雪 /123 | 醉云乡 /130 |
| 香剑吟 /116 | 诀别诗 /123 | 川入海 /130 |
| 英雄寞 /116 | 花落随 /123 | 月盘镜 /130 |
| 雪中莲 /117 | 忆长安 /123 | 化蝶飞 /131 |

| | 雨花浓 /131 | 千年缘 /136 | 诀别诗 /143 |
|---|----------|----------|----------|
| | 昙花现 /131 | 梨花香 /137 | 寂静雪 /143 |
| | 望归路 /131 | 若相惜 /137 | 烟花漫 /144 |
| 海 | 浅路曲 /132 | 石上藤 /137 | 珠帘雨 /144 |
| | 雨夜眠 /132 | 秋萧叶 /137 | 杏花村 /144 |
| 贝 | 秋朗月 /132 | 行路难 /138 | 悠自得 /144 |
| | 倾山幕 /132 | 望泰山 /138 | 风沙袭 /145 |
| | 秋萧叶 /133 | 梦江南 /138 | 秋萧叶 /145 |
| | 望泰山 /133 | 长恨歌 /138 | 醉花阴 /145 |
| | 沁园春 /133 | 一剪梅 /139 | 暖春水 /146 |
| | 逍遥游 /133 | 梦李白 /139 | 浪花颂 /146 |
| | 轩辕台 /134 | 渡江人 /139 | 醉云乡 /146 |
| | 桃花行 /134 | 鸟鸣涧 /140 | 川入海 /146 |
| | 绿蓑衣 /134 | 醉花阴 /140 | 破虹天 /147 |
| | 香剑吟 /134 | 望明月 /140 | 月盘镜 /147 |
| | 英雄寞 /135 | 荷之恋 /140 | 化蝶飞 /147 |
| | 菊花泪 /135 | 桃花水 /142 | 雨花浓 /147 |
| | 水中仙 /135 | 后世镜 /142 | 昙花现 /149 |
| | 广寒月 /135 | 琉璃月 /142 | 相见欢 /149 |
| | 九州词 /136 | 花落随 /142 | 望归路 /149 |
| | 阳关调 /136 | 荷花亭 /143 | 浅路曲 /149 |
| | 万物生 /136 | 梦听雪 /143 | 雨夜眠 /150 |
| | | | |

| 秋朗月/150 | 乱舞春秋 /156 | 乘风归 /162 |
|-----------|-----------|-----------|
| 秋萧叶 /150 | 夏日绝句 /156 | 花落随 /162 |
| 花落随 /150 | 月下独酌 /156 | 诀别诗 /162 |
| 诀别诗 /151 | 虫声夜鸣 /157 | 醉清风 /162 |
| 梦听雪 /151 | 星辰寄语 /157 | 将欲行 /163 |
| 雕花笼 /151 | 如烟似梦 /157 | 月明星稀 /163 |
| 醉清风 /152 | 断桥残雪 /157 | 沐春风 /163 |
| 花恋蝶 /152 | 秋草香 /158 | 枫叶红 /164 |
| 江南雨 /152 | 山河泪 /158 | 海之蓝 /164 |
| 梦红楼 /152 | 秋花草 /158 | 桃花水 /164 |
| 燕歌行 /153 | 花无痕 /158 | 荷之恋 /164 |
| 稻花香 /153 | 赏枫亭 /159 | 从军记 /165 |
| 芦洲月 /153 | 漫步江边 /159 | 送友人 /165 |
| 南山忆 /154 | 出征曲 /159 | 荷之恋 /165 |
| 石上藤 /154 | 沙如雪 /160 | 从军记 /165 |
| 若相惜 /154 | 秋朗月 /160 | 送友人 /166 |
| 陌上花开 /154 | 山中画 /160 | 天花漫 /166 |
| 千帆越江 /155 | 月夜雨 /160 | 亭中舞 /166 |
| 塞外之音 /155 | 海风啸 /161 | 月朦胧 /166 |
| 梦回唐朝 /155 | 仙人掌 /161 | 望明月 /167 |
| 梦回仙游 /155 | 江南调 /161 | 醉花阴 /167 |
| 春江晚景 /156 | 浪淘沙 /161 | 秋萧叶 /168 |

| 风沙袭 /168 | 望泰山 /173 | 菊花泪 /180 |
|----------|-----------|----------|
| 月盘镜 /168 | 长恨歌 /173 | 水中仙 /180 |
| 化蝶飞 /168 | 一剪梅 /173 | 广寒月 /180 |
| 川入海 /169 | 梦李白 /174 | 九州词 /180 |
| 醉云端 /169 | 渡江人 /174 | 南飞雁 /181 |
| 浪花颂 /169 | 鸟鸣涧 /174 | 阳关调 /181 |
| 长恨歌 /169 | 静夜思 /175 | 仙居翁 /181 |
| 梦李白 /170 | 荷塘月色 /175 | 眷秋恋 /181 |
| 一剪梅 /170 | 望明月 /175 | 醉乡间 /182 |
| 鸟鸣涧 /170 | 风沙袭 /175 | 烟云纱 /182 |
| 满江红 /170 | 秋萧叶 /176 | 弦中月 /182 |
| 山林涧 /171 | 醉花阴 /176 | 流梦曲 /183 |
| 秋萧叶 /171 | 月朦胧 /176 | 彩虹桥 /183 |
| 亭中舞 /171 | 沁园春 /176 | 镜中月 /183 |
| 天花漫 /172 | 逍遥游 /178 | 云遮月 /183 |
| 荷之恋 /172 | 梨花雨 /178 | 山河壮 /184 |
| 桃花水 /172 | 轩辕台 /178 | 梦三国 /184 |
| 海之恋 /172 | 桃花行 /178 | 边塞曲 /185 |
| 梦江南 /173 | 绿蓑衣 /179 | 梦江南 /185 |
| | 香剑吟 /179 | 望泰山 /185 |
| | 英雄寞 /179 | 长恨歌 /185 |
| - Row | 雪花莲 /179 | 梦李白 /186 |